eecdchandauli170@gmail.com

उत्तर प्रदेश जल निगम (ग्रामीण)

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता,खण्ड कार्यालय,उ0प्र0 जल निगम(ग्रामीण)–चन्दौली।

पत्रांक 3478 / पेपर कटिंग / 123 दिनांक 05.06.2026

सेवा में,

जिलाधिकारी,
जनपद चन्दौली।

विषयः– दैनिक समाचार पत्र "न्यूज 18" में प्रकाशित समाचार शीर्षक "लाखों खर्च, फिर भी प्यासे लोग.. चंदौली के हिनौली गांव में पानी की टंकी बनी शोपीस, ग्रामीणों को नहीं मिल रहा पीने का पानी" के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक हिन्दी "न्यूज 18" में दिनांक– 05.06.2026 को प्रकाशित शीर्षक "लाखों खर्च, फिर भी प्यासे लोग.. चंदौली के हिनौली गांव में पानी की टंकी बनी शोपीस, ग्रामीणों को नहीं मिल रहा पीने का पानी" के सम्बन्ध में आख्या निर्धारित प्रारूप पर संलग्न कर प्रेषित है।

सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

संलग्नक– उपरोक्तानुसार।

भवदीय,

(विवेक कुमार)
अधिशासी अभियन्ता

पृ0सं0 एवं दिनांक उपरोक्तानुसार।

प्रतिलिपिः– निम्नलिखित को सादर सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

1. प्रबंध निदेशक महोदय, उ0प्र0 जल निगम (ग्रामीण), लखनऊ।
2. अधिशासी निदेशक महोदय, राज्य पेयजल एवं स्वच्छता मिशन, लखनऊ।
3. मुख्य अभियन्ता (ग्रामीण), उ0प्र0 जल निगम (ग्रामीण), लखनऊ।
4. मुख्य विकास अधिकारी महोदय, चन्दौली।
5. मुख्य अभियन्ता (वारा0क्षे0), उ0प्र0 जल निगम (ग्रामीण), वाराणसी।
6. अधीक्षण अभियन्ता, मण्डल कार्यालय, उ0प्र0 जल निगम (ग्रामीण), वाराणसी।

अधिशासी अभियन्ता

DEO PS SWSM CHANDAULI

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, खण्ड कार्यालय, उ0प्र0 जल निगम (ग्रामीण), चन्दौली।

समाचार पत्र में प्रकाशित खबर का विवरण एवं अद्यतन आख्या

क्र0 सं0	जनपद का नाम	समाचार पत्र एवं दिनांक	प्रकाशित शीर्षक	आख्या	टिप्पणी
1	चन्दौली	दैनिक समाचार पत्र न्यूज 18 एवं दिनांक– 05.06.2026	लाखों खर्च, फिर भी प्यासे लोग.. चंदौली के हिनौली गांव में पानी की टंकी बनी शोपीस, ग्रामीणों को नहीं मिल रहा पीने का पानी	जनपद चन्दौली के विकासखण्ड नियामताबाद में जल जीवन मिशन के अन्तर्गत सूचीबद्ध फर्म मैसर्स वी0एस0ए0आई0पी0पी0एल0 द्वारा हिनौनी पेयजल योजना (सम्मिलित राजस्व ग्राम हिनौनी) के प्रस्तावित कार्यो 01 नग ट्यूबवेल के सापेक्ष 01 नग पूर्ण, 01 नग शिरोपरि जलाशय (250के0एल0/12मी0) का कार्य 95 प्रतिशत, वितरण प्रणाली 14539 मी0 के सापेक्ष 13574 मी0, गृह जल संयोजन 704 नग के सापेक्ष 523 नग का निर्माण कार्य पूर्ण कराया जा चुका है। योजना में पेयजल सप्लाई सुचारू रूप से कराने हेतु सोलर पैनल का कार्य कराना अवशेष है। योजना से सम्बन्धित सूचीबद्ध फर्म मैसर्स वी0एस0ए0आई0 पी0पी0एल0 को सोलर पैनल के अतिशीघ्र अधिष्ठान हेतु एवं पूर्ण कर नियमित जलापूर्ति कराने हेतु फर्म को निर्देशित किया गया है।	–

अधिशासी अभियन्ता

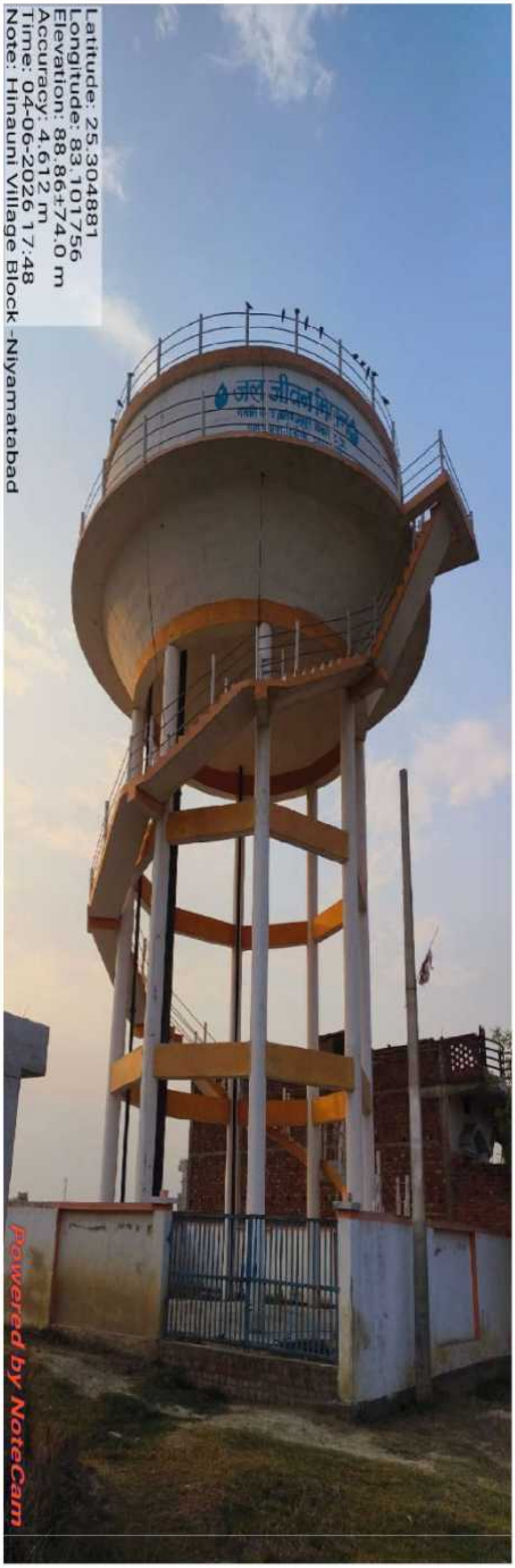

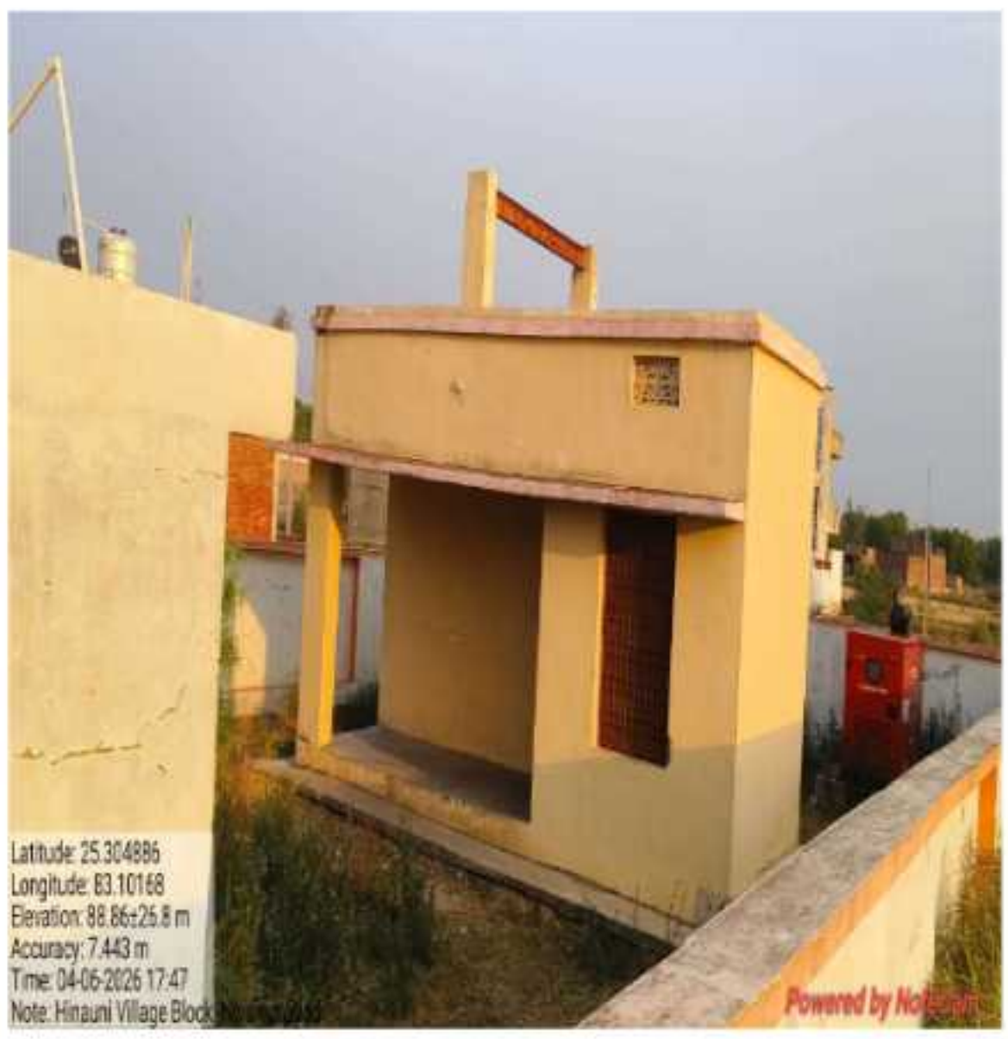

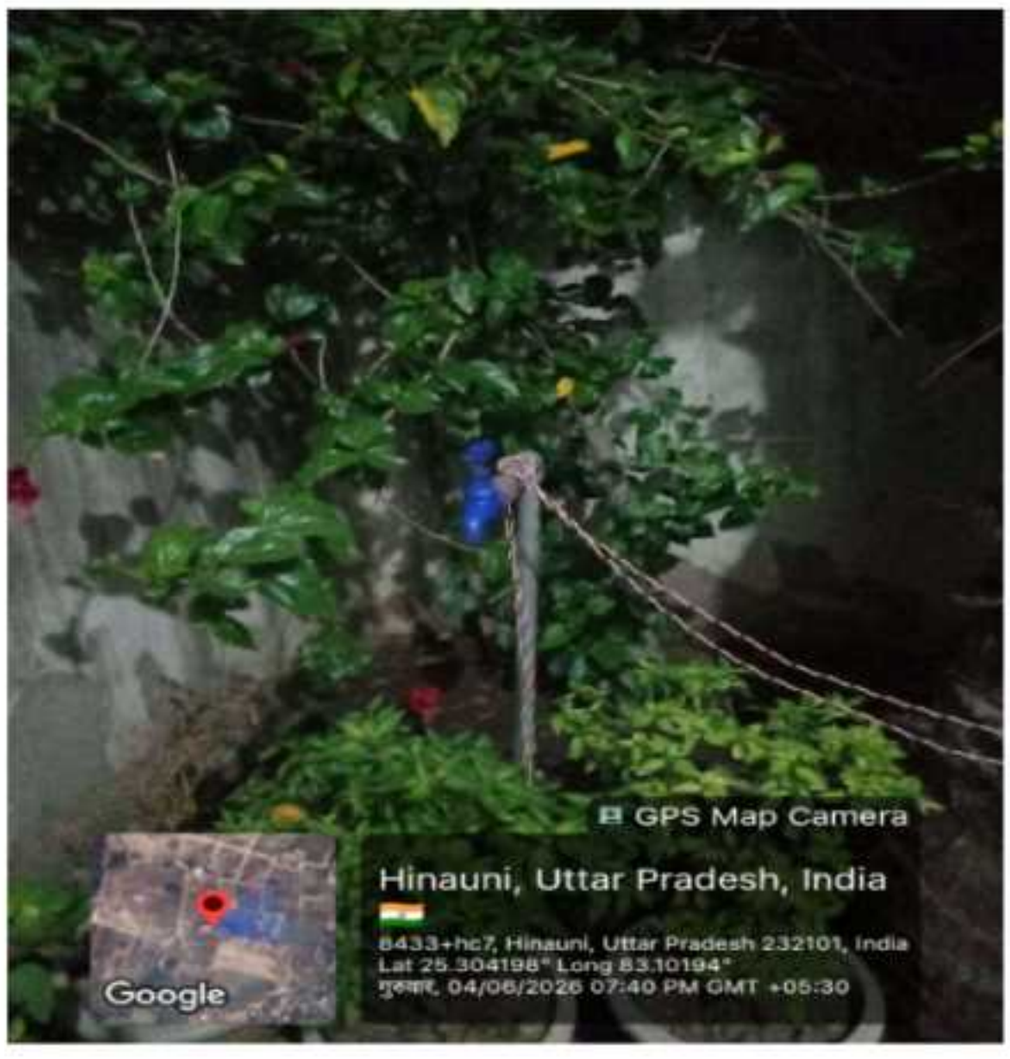

DEO PS SWSM CHANDAULI

शहर चुनें 20 Sign in

TRENDING: RBI MPC Meeting Noida PG Fire Khan Sir Vs Gyan Bindu अजब-गजब फोटो Kadak #NiveshKaSahiKadam

होम / ताजा खबर / उत्तर प्रदेश / Chandauli / पेयजल संकट से जूझ रहे हिनौली गांव के ग्रामीण, बोले- टंकी है लेकिन पानी कब आएगा

लाखों खर्च, फिर भी प्यासे लोग.. चंदौली के हिनौली गांव में पानी की टंकी बनी शोपीस, ग्रामीणों को नहीं मिल रहा पीने का पानी

Reported by: Sanjay Kumar | Edited by: Vivek Kumar | Agency: Local18

Last Updated: June 05, 2026, 08:55 IST

चंदौली के मुगलसराय के हिनौली गांव में पेयजल संकट ने लोगों का जीवन मुश्किल कर दिया है. गांव में जलापूर्ति के लिए पाइपलाइन तो बिछा दी गई है, लेकिन उसमें पानी कब आएगा, इसकी जानकारी किसी के पास नहीं है. जून की भीषण गर्मी में ग्रामीण पानी की तलाश में इधर-उधर भटकने को मजबूर हैं. महिलाओं और बुजुर्गों को सबसे अधिक परेशानी उठानी पड़ रही है.

ख़बरें फटाफट

On Google

चंदौली: केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी जल जीवन मिशन योजना का उद्देश्य हर घर तक स्वच्छ पेयजल पहुंचाना है, लेकिन जिले के मुगलसराय विधानसभा क्षेत्र के हिनौली गांव में यह योजना धरातल पर पूरी तरह विफल नजर आ रही है. गांव में लाखों रुपये की लागत से बनाई गई पानी की टंकी आज भी केवल शोपीस बनकर खड़ी है. ग्रामीणों का आरोप है कि टंकी बने लगभग डेढ़ से दो वर्ष बीत चुके हैं, लेकिन आज तक किसी भी घर में पानी की आपूर्ति शुरू नहीं हो सकी है. भीषण गर्मी के बीच ग्रामीणों को पानी के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है.

भीषण गर्मी में हो रही पानी की गंभीर समस्या

लोकल18 के संवाददाता ने जब हिनौली गांव पहुंचकर जमीनी हकीकत की पड़ताल की, तो ग्रामीणों ने जल जीवन मिशन की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े किए. गांव के निवासी संतोष कुमार पंकज ने बताया कि ग्राम सभा हिनौली में केंद्र सरकार के फंड से जल जीवन मिशन के तहत पानी की टंकी का निर्माण कराया गया था. उन्होंने कहा कि टंकी का निर्माण हुए लगभग डेढ़ वर्ष से अधिक का समय बीत चुका है, लेकिन आज तक इसमें पानी भरकर गांव में सप्लाई नहीं की गई.

ADVERTISEMENT

संबंधित खबरें

अब ऑनलाइन बनेगा 12 महीने तक का किरायानामा, जानिए पूरा प्रोसेस

जमशेदपुर के स्टूडेंट्स की जान है 'मिस्टर मोमो', 10 साल से स्वाद परोस रहे अभय

मुगलसराय के चतुर्भुजपुर में सड़क निर्माण पर विवाद, मानक से कम गुणवत्ता का आरोप

कम पढ़े-लिखे थे, लेकिन सोच थी बड़ी; जानिए पद्मश्री बंशीलाल राठी की कहानी

संतोष कुमार पंकज ने आरोप लगाया कि गांव में पाइपलाइन तो बिछा दी गई, लेकिन अधिकांश घरों में कनेक्शन तक नहीं दिया गया. उन्होंने स्वयं को इसका उदाहरण बताते हुए कहा कि उनके घर में भी आज तक कनेक्शन नहीं हुआ है. उन्होंने कहा कि टंकी बनने के बाद से न तो उसमें पानी भरा गया और न ही किसी घर तक पानी पहुंचाया गया, ऐसे में ग्रामीण इस भीषण गर्मी में पानी की गंभीर समस्या से जूझ रहे हैं.

ADVERTISEMENT

लोगों को पीने के लिए खरीदना पड़ रहा पानी

उन्होंने निर्माण कार्य में भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हुए कहा कि इस पूरी व्यवस्था के लिए संबंधित ठेकेदार, जूनियर इंजीनियर (जेई) और अन्य जिम्मेदार अधिकारी उत्तरदायी हैं. उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा खर्च किए गए धन का सही उपयोग नहीं हुआ और योजना का लाभ ग्रामीणों तक नहीं पहुंच पाया. उन्होंने उत्तर प्रदेश सरकार और जिलाधिकारी से मामले की उच्चस्तरीय जांच कर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की.

उन्होंने कहा कि गांव में पानी की समस्या इतनी गंभीर है कि जिन लोगों के घरों में हैंडपंप हैं, वे किसी तरह अपना काम चला रहे हैं, जिनके पास आर्थिक संसाधन हैं, उन्होंने निजी समर्सिबल पंप लगवा लिए हैं. वहीं, गरीब परिवारों को दूसरों के घरों से पानी लाकर अपनी जरूरतें पूरी करनी पड़ रही हैं. कई लोगों को पीने के लिए पानी खरीदना पड़ रहा है.

जमीन के अंदर दबे हुए हैं पानी के सभी पाइप

गांव के एक अन्य निवासी मनोज कुमार सिंह ने बताया कि टंकी बनने के बाद एक-दो बार तकनीकी जांच हुई थी, लेकिन उसके बाद कभी पानी की सप्लाई शुरू नहीं हुई. उन्होंने बताया कि टंकी संचालन के लिए आवश्यक बिजली लाइन या सोलर सिस्टम की भी समुचित व्यवस्था नहीं दिखाई देती. उन्होंने कहा लगभग 500 मीटर दूर सोलर प्लेट लगाने की बात कही गई थी, लेकिन वहां भी व्यवस्था पूरी नहीं की गई. मनोज कुमार सिंह ने बताया कि घरों तक पाइपलाइन तो पहुंचा दी है, लेकिन न तो टोटी लगाई गई है और न ही पानी की कोई व्यवस्था शुरू हुई है. जमीन के अंदर पाइप दबे हुए हैं, लेकिन उनमें आज तक पानी नहीं आया. उन्होंने कहा कि ग्रामीण केवल इंतजार कर रहे हैं कि आखिर यह योजना कब शुरू होगी और कब उन्हें इसका लाभ मिलेगा.

ADVERTISEMENT

इस समस्या को गंभीरता से नहीं लिया ग्राम प्रधान

वहीं, ग्रामीण कन्हैया लाल ने बताया कि उनके मोहल्ले तक भी पानी नहीं पहुंचा है. उन्होंने कहा कि लगभग दो वर्ष का समय बीत गया, लेकिन हालात जस के तस बने हुए हैं. गर्मी के मौसम में पानी की समस्या और भी गंभीर हो जाती है. उन्होंने बताया कि कई परिवार बाजार से पानी खरीदकर पीने को मजबूर हैं. कन्हैया लाल ने ग्राम प्रधान की भूमिका पर भी सवाल उठाए. उन्होंने कहा कि ग्राम प्रधान ने अब तक इस समस्या को गंभीरता से नहीं लिया. ग्रामीणों के अनुसार आज तक किसी ने यह जानने की कोशिश नहीं की कि आखिर टंकी चालू क्यों नहीं हो रही है और गांव को पानी कब मिलेगा?

सफेद हाथी साबित हो रही है यह पानी की टंकी

ग्रामीणों का कहना है कि सरकार ने हर घर जल पहुंचाने के उद्देश्य से इस योजना की शुरुआत की थी, लेकिन हिनौली गांव में यह योजना केवल कागजों तक सीमित नजर आ रही है. गांव में बनी विशाल पानी की टंकी लोगों को रोज दिखाई देती है, लेकिन उससे मिलने वाला पानी आज तक किसी को नसीब नहीं हुआ. स्थानीय लोगों का आरोप है कि लाखों रुपये खर्च कर बनाई गई यह टंकी अब सफेद हाथी साबित हो रही है. ग्रामीणों के अनुसार यदि समय रहते इस परियोजना को चालू नहीं किया गया, तो सरकार की महत्वाकांक्षी योजना का उद्देश्य अधूरा रह जाएगा और लोगों का विश्वास भी कमजोर होगा.

ADVERTISEMENT

ग्रामीणों की शिकायत पर प्रशासन कब लेता है संज्ञान

ग्राउंड जीरो पर की गई पड़ताल में यह साफ दिखाई दिया कि गांव में पानी की समस्या वास्तविक और गंभीर है. कहीं पाइपलाइन होने के बावजूद पानी नहीं पहुंच रहा है, तो कहीं कनेक्शन ही नहीं दिए गए हैं, ऐसे में ग्रामीणों की मांग है कि प्रशासन तत्काल मामले की जांच कराए, परियोजना की खामियों को दूर करे और दोषी अधिकारियों एवं ठेकेदारों के

खिलाफ सख्त कार्रवाई सुनिश्चित करे. अब देखना यह होगा कि ग्रामीणों की शिकायतों पर प्रशासन कब तक संज्ञान लेता है और जल जीवन मिशन के तहत बनी यह टंकी आखिर कब गांव के लोगों की प्यास बुझाने का काम शुरू कर पाती है.

VIEW COMMENTS

About the Author

Vivek Kumar

विवेक कुमार एक सीनियर जर्नलिस्ट हैं, जिन्हें मीडिया में 10 साल का अनुभव है. वर्तमान में न्यूज 18 हिंदी के साथ जुड़े हैं और हरियाणा, उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड की लोकल खबरों पर नजर रहती है. इसके अलावा इन्हें देश-...**और पढ़ें**

News18 न्यूजलेटर

अब ईमेल पर इनसाइड स्टोरीज

खबरों के पीछे की खबर अब आपके इनबॉक्स में

अपना ईमेल डालें

सबमिट करें